दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 20 जुलाई 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 293

महत्वपूर्ण एवं खास

पुलिस की बड़ी कार्यवाई: दिल्ली में अंतरराज्यीय किडनी रैकेट का भंडाफोड़, आठ आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने एक अंतरराज्यीय किडनी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''आरोपी जाली दस्तावेजों के आधार पर पांच राज्यों के कई अस्पतालों में प्रतिरोपण करवाते थे।'' उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की टीम ने एक सप्ताह के अभियान के बाद उन्हें गिरफ्तार किया है। पिछले दिनों भंडाफोड़ किए गए बांग्लादेश के रैकेट के मामले में पहले राजस्थान पुलिस ने अहम खुलासा किया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच भी इस मामले की जांच में जुट गई थी और फिर पुलिस को पता लगा कि दिल्ली के एक बड़े अस्पताल की महिला डॉक्टर नोएडा के एक अस्पताल में 15 से 16 ट्रांसप्लांट को अंजाम दे चुकी है।

पंजाबी सिंगर करण औजला की कार हुई हादसे का शिकार, टूटने वाली थी गर्दन

जालंधर (आरएनएस)। पंजाब के मशहूर गायक करण औजला शूटिंग के दौरान एक हादसे का शिकार हो गए। जानकारी के अनुसार शूटिंग के दौरान उनकी कार अचानक पलट गई। इसकी जानकारी उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो शेयर करके दी है।वीडियो में दिख रहा है कि उनकी ट्रैकिंग वाली कार पलट जाती है, जिससे वह जख्मी हो जाते हैं। यह घटना तब हुई जब वह अपने एक गाने की शूटिंग विदेश में कर रहे थे। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में उन्हें ज्यादा चोट नहीं लगी। करण ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है, 'शूटिंग में मेरी गर्दन लगभग टूटने के कगार पर थी, मगर गनीमत रही कि बचाव हो गया।' फिलहाल अब करण औजला ठीक है। औजला ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें वह ट्रैकिंग कार (पत्थरों पर चलने वाली कार) से रेस लगाते नजर आ रहे हैं। रेस के दौरान ही उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट जाती है। पहले तो वह 3-4 जगह फिसलती है, फिर आखिर में पलटती है। कार पलटते ही मौके पर मौजूद क्रू मेंबर और सुरक्षाकर्मी गाड़ी की ओर दौड़ते हैं। इसके बाद वह सिंगर को गाड़ी से बाहर निकालते हैं। इस दौरान औजला को गाने की शूटिंग कुछ देर के लिए रोकनी पड़ी। इसके बाद उनकी मरहमपट्टी की गई और बाद में शूटिंग पूरी की गई।

आकाशीय बिजली गिरने से मासूम सहित दो की मौत

छतरपुर (आरएनएस)। बारिश के मौसम में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक मासूम बच्चे सहित एक युवक की जान चली गई। दोनों का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। जानकारी के अनुसार मुख्यालय से सटे ग्राम खौप में शासकीय प्राथमिक स्कूल में पढने वाला कक्षा तीसरी का छात्र रमन रैकवार पुत्र मकुंदी रैकवार जब स्कूल में लंच के दौरान खेल रहा था तभी अचानक आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। स्कूल के प्राचर्य सहित शिक्षक बच्चे को तुरंत जिला अस्पताल लाए साथ ही बच्चे के परिजनों को भी इसकी सूचना दी। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चे केा मृत घोषित कर दिया। इसी तरह महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम वेरापुरवा में एक 35 वर्षीय युवक लखन कुशवाहा पुत्र उदेता कुशवाहा खेत में किसानी का कार्य कर रहे थे तभी बारिश होने लगी जिससे खेत में कार्य कर रहे लखन सहित अन्य लोग खेत पर बनी झोंपड़ी में बैठ गए।

अब पूरे यूपी में लागू हुआ मुजफ्फरनगर फॉर्मूला, कांवड़ मार्गों पर दुकानों में लगानी होगी नेम प्लेट, सीएम योगी ने दिए आदेश

लखनऊ । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों पर नेमप्लेट वाला नियम अब पूरे यूपी में लागू होगा। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर खाने-पीने की दुकानों के मालिकों को नेमप्लेट लगाने का आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि कांवड़ मार्गों पर खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानों पर संचालक मालिक का नाम और पहचान लिखना होगा। कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाए रखने के लिए ये फैसला लिया गया है। साथ ही कहा गया है कि हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर कार्रवाई होगी।

भाजपा ने मुजफ्फरनगर पुलिस के कांवड़ मार्ग पर पडऩे वाली सभी दुकानों पर मालिक और काम करने वाले लोगों का नाम लिखने वाले निर्देश का बचाव किया है। बीजेपी के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत की 'धर्मनिरपेक्षता' इतनी कमजोर नहीं हो सकती है कि सभी भोजनालयों को मालिक व श्रमिकों के नाम और संपर्क नंबर प्रदर्शित करने के लिए जारी एक समान आदेश इसे नुकसान पहुंचाए। मुजफ्फरनगर पुलिस के आदेश पर देशभर में प्रतिक्रिया आई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पुलिस के इस फैसले को सामाजिक अपराध बताया था। वही प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तानाशाह फैसला बताया था। वहीं, गीतकार जावेद अख्तर ने इस फैसले की तुलना जर्मनी के नाजी शासन से की थी।

बीजेपी के सहयोगी दल जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता केसी त्यागी ने मुजफ्फरनगर पुलिस के आदेश को वापस लिए जाने को कहा है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर पुलिस के खाने-पीने वाले दुकानदारों का नाम प्रदर्शित करने से सांप्रदायिक तनाव फैल सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म और जाति के आधार पर किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। केसी त्यागी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों से गुजरने वाली कांवड़ यात्रा में कभी सांप्रदायिक तनाव की कोई खबर नहीं आई। धर्म के आधार पर इस तरह का भेदभाव गलत है और इससे सांप्रदायिक विभाजन ही बढ़ेगा।

अब घर बैठे कर सकेंगे बाबा विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी । आरएनएस

सावन का पावन महीना शुरू होने वाला है। इसे लेकर विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर की तैयारी पूरी हो चुकी है। अब श्रद्धालु घर बैठकर ऑनलाइन माध्यम से बाबा के दर्शन कर सकेंगे। काशी विश्वनाथ मंदिर के कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा के दर्शन करने के लिए हर साल देश-विदेश से लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं। पिछले साल 139 देशों के लोग महादेव के दर्शन करने के लिए काशी पहुंचे थे। इस साल सावन में काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट की तरफ से श्रद्धालुओं की

सुविधा का विशेष इंतजाम किया गया है। देश और विदेश के बहुत सारे ऐसे श्रद्धालु भी हैं, जो हर साल सावन में बाबा के दर्शन करने के लिए आना तो चाहते हैं, लेकिन खर्च और अन्य कारणों के चलते नहीं आ पाते हैं। इसलिए महाशिवरात्रि के विशेष पर्व से बाबा के दर्शन के लिए लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यम से महादेव के दर्शन यू ट्यूब, फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जा सकता है। साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर श्रद्धालु ऑनलाइन रुद्राभिषेक के साथ ही लाइव दर्शन भी कर सकेंगे। गौरतलब है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में देश ही नहीं, बल्कि विदेश से भी श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। भक्त बाबा के दर्शन के लिए घंटों कतार में खड़े रहते हैं। वहीं बहुत सारे ऐसे श्रद्धालु भी हैं, जो सावन में भारी भीड़ और अन्य कारणों से काशी नहीं जा पाते। ऐसे में अब काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट की इस ऑनलाइन सुविधा से श्रद्धालु घर बैठकर आसानी से महादेव के दर्शन कर पाएंगे।

दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार कार ने ट्रक को मारी टक्कर, 2 बच्चों समेत एक ही परिवार के 6 सदस्यों की मौत

बीकानेर । आरएनएस

बीकानेर में गुरुवार देर रात एक बड़ा सडक़ हादसा हो गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। भारतमाला रोड महाजन के जैतपुर टोल के पास एक तेज रफ्तार कार ने आगे चल रहे ट्रक को टक्कर मार दी। इस हादसे मरने वाले सभी एक ही परिवार के लोग थे। हादसे के बाद कार के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए। जानकारी के अनुसार हरियाणा नम्बर की कार में हनुमानगढ़ के डबवाली के रहने वाले थे। मरने वाले सभी लोग कार में सवार थे। हादसा इतना भयावह था कि कार आगे से पुरी चकनाचूर हो गयी थी।

वहीं हादसे के बाद घंटो तक गाड़ी में मौजूद लोग फंसे रहे। काफी मशक्कत के बाद उन्हें निकाला गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे के वक्त कार से दो यात्री उछलकर सडक़ पर

गिर गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस हादसे में पूरा परिवार खत्म हो गया। हादसे में मृतकों की पहचान आरती, डूबू, भूमिका, नीरज कुमार, शिव कुमार के रूप में हुई है। हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। जानकारी मिलने के बाद लूणकरणसर सीओ टीम सहित घटनास्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस को बुलाया। हादसा इतना भयानक था कि अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए क्रेन बुलानी पड़ी।

नीट पेपर लीक मामला : पटना के बाद सीबीआई का रांची में एक्शन, रिम्स की मेडिकल छात्रा को हिरासत में लिया

रांची । आरएनएस

नीट-यूजी पेपर लीक केस में सीबीआई ने रांची स्थित मेडिकल कॉलेज रिम्स की फर्स्ट ईयर की छात्रा सुरभि कुमारी को हिरासत में लिया है। सुरभि को इस सॉल्वर गैंग का सदस्य बताया जा रहा है, जिसने लीक हुए प्रश्नपत्र का उत्तर तैयार किया था। सीबीआई की टीम ने उसे गुरुवार देर शाम पूछताछ के बाद हिरासत में लिया। एजेंसी ने छात्रा के बारे में रिम्स के स्टूडेंट्स वेलफेयर डीन डॉ शिव प्रिये से भी जानकारी ली है। इस केस में रांची के कुछ और मेडिकोज सीबीआई जांच के दायरे में आ सकते हैं।

सीबीआई ने सॉल्वर गैंग से जुड़े पटना एम्स के चार मेडिकल छात्रों को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया था। इसके बाद गैंग के अन्य सदस्यों के बारे में सुराग मिले। रिम्स की जिस छात्रा को एजेंसी ने हिरासत में लिया है, वह रामगढ़ जिले के आरा की रहने वाली है। उसने पिछले साल नीट की परीक्षा में ऑल इंडिया में 56 वीं रैंक हासिल की थी। सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में उसने प्रश्न पत्र को हल करने और इसके एवज में पैसे मिलने की बात स्वीकार कर ली है। सीबीआई की अब तक की जांच में इसके पर्याप्त साक्ष्य हाथ लगे हैं कि नीट-यूजी का पेपर झारखंड के हजारीबाग से लीक हुआ था। एजेंसी ने हजारीबाग स्थित परीक्षा केंद्रों के लिए भेजे गए प्रश्नपत्र को चुराने के आरोप में एक इंजीनियर पंकज कुमार को पटना से गिरफ्तार किया था।

पंकज ने चुराया गया प्रश्नपत्र हजारीबाग के राज गेस्ट हाउस के संचालक राजू सिंह को उपलब्ध कराया था और इसके बाद यह पेपर पटना भेजा गया था, जहां हॉस्टल में टिकाए गए चुनिंदा अभ्यर्थियों को रातों-रात प्रश्नों के उत्तर रटवाए गए थे। जांच में यह भी पता चला है कि हजारीबाग स्थित गेस्ट हाउस में भी कुछ छात्र-छात्राओं को रुकवाकर प्रश्नों के उत्तर रटवाए गए थे। फिलहाल सीबीआई पंकज कुमार और राजू सिंह को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। एजेंसी ने पेपर लीक केस में हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर सीबीआई एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल मो. इम्तियाज और एक दैनिक अखबार के पत्रकार जमालुद्दीन को 28 जून को ही गिरफ्तार किया था। जांच का दायरा बढऩे के साथ ही इस पूरे स्कैम में शामिल लोगों के नाम चेहरे एक-एक कर सामने आ रहे हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए राहत, कोर्ट के फैसले ने सिखाया सबक

देहरादून । आरएनएस

उत्तराखंड देश में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लागू करने वाला पहला प्रदेश बन गया है। ऐसे में इसके अंदर शादी से लेकर जमीन-जायदाद में हिस्सेदारी और लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर भी नियम बनाए गए हैं। इस कानून में लिव-इन रिलेशन में रहने वाले जोड़ों को लेकर यह कहा गया है कि वह ऐसी स्थिति में अपना पंजीकरण कराएं ताकि किसी भी विषम परिस्थिति में शासन-प्रशासन के द्वारा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसको लेकर खूब विरोध किया गया। इस कानून का विरोध करने वाले लोग पहले तो यह मान ही नहीं रहे थे कि लिव इन रिलेशन जैसी कोई चीज होती है और अगर होती भी है तो इसकी जानकारी शासन-प्रशासन को देना और इसको रजिस्टर्ड कराना राइट टू प्राइवेसी

का उल्लंघन है। क्योंकि किसी के साथ किसी के संबंधों की जानकारी निजी होती है ऐसे में इसे शासन-प्रसासन को मुहैया कराना राइट टू प्राइवेसी का उल्लंघन है।

अब लिव इन रिलेशन में रहने वाला एक जोड़ा उत्तराखंड हाई कोर्ट के समक्ष अपनी सुरक्षा की गुहार लेकर पहुंचा। उस जोड़े ने अदालत को बताया कि वे लिव इन रिलेशन में रह रहे हैं। ऐसे में उन्हें बार-बार परिवार वालों की तरफ से धमकी मिल रही है। जबकि हम दोनों ही बालिग हैं और हमें हमारे जीवन के बारे में फैसला लेने का पूरा अधिकार है।

ऐसे में उत्तराखंड हाई कोर्ट की तरफ से फैसला आया। जिसमें इस बात का जिक्र किया गया है कि इस जोड़े को अपने आप को उत्तराखंड समान नागरिक संहिता की धारा 378(1) के तहत अपना पंजीकरण कराना चाहिए। यानी इस रिलेशनशिप को रजिस्टर्ड कराना चाहिए और साथ ही प्रशासन को यह ऑर्डर किया गया कि इस जोड़े की सुरक्षा सुनिश्चित करे। अदालत की तरफ से इस ऑर्डर में कहा गया कि आप अपने लिव इन रिलेशन को रजिस्ट्रार के पास 48 घंटे के अंदर रजिस्टर्ड करें और इसके साथ ही प्रशासन इस जोड़े की सुरक्षा को सुनिश्चित करे।

उत्तराखंड सरकार के द्वारा समान नागरिक संहिता की धारा 378(1) के अनुसार लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए यह अनिवार्य होगा कि चाहे वे उत्तराखंड के निवासी हों या नहीं हों, लिव-इन का विवरण प्रस्तुत करने के लिए धारा 378 की उपधारा (1) के तहत संबंधित रजिस्ट्रार को जिसके अधिकार क्षेत्र में वह जोड़ा रहता है अपने लिव इन रिलेशन को रजिस्टर्ड कराएं। ऐसे में उत्तराखंड हाई कोर्ट का यह फैसला ऐसे लोगों के लिए एक सबक है जो इस कानून का विरोध कर रहे थे। कोर्ट के इस फैसले से साफ हो गया है कि इस कानून में कहीं कोई परेशानी नहीं है और इसके अंदर लिव इन रिलेशन में रहनेवाले लोगों को रजिस्टर्ड होकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करानी चाहिए। ऐसा करने पर किसी भी प्रकार से राइट टू प्राइवेसी का हनन नहीं होता है।

माइक्रोसॉफ्की खराबी के कारण हैदराबाद एयरपोर्ट ने जारी की एडवाइजरी, 23 उड़ाने रद्द

हैदराबाद । आरएनएस

माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक खराबी के कारण शुक्रवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 23 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। हैदराबाद एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है।

हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि आईटी सेवाओं में व्यवधान के कारण विभिन्न एयरलाइनों को 12 टेक ऑफ और 11 लैंडिंग रद्द करनी पड़ी। दोपहर तक यही स्थिति थी। आईटी सेवाएं अभी तक बहाल नहीं होने के कारण रद्द उड़ानों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है।

एयरपोर्ट ने यात्रियों को भेजे संदेश में कहा, हम अपने यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए अपने सभी साथियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। कृपया अपनी उड़ान की जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। इसके बाद यात्री एयरलाइनों से उड़ानों की स्थिति के बारे में जानकारी लेने लगे। जो लोग एयरपोर्ट पहुंच चुके थे, लेकिन बाद में उन्हें अपनी उड़ान रद्द होने की जानकारी दी गई, वे एयरलाइनों से रिफंड के बारे में पूछताछ करते देखे गए।

मुख्यमंत्री हिमंत का बड़ा ऐलान, मुस्लिम विवाह कानून होगा रद्द

नई दिल्ली । आरएनएस

असम सरकार राज्य में मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम को निरस्त करेगी। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। इन दोनों कानूनों को निरस्त करने के लिए गुरुवार को कैबिनेट मेंअसम रिपीलिंग बिल यानी असम निरसन अध्यादेश को मंजूरी दे दी है, सीएम सरमा ने ऐलान किया है कि अब इस निरसन विधेयक को विधानसभा में रखा जाएगा।

विवाह और तलाक के पंजीकरण में समानता लाने के लिए राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को असम रिरसन विधेयक को मंजूरी दे दी है। सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट

में बताया कि इस बिल का उद्देश्य असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 और असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण नियम, 1935 को निरस्त करना है। असम कैबिनेट की ओर से मंजूर असम रिपीलिंग अधिनियम को अब विचार के लिए असम विधानसभा के अगले मानसत्र सत्र में रखा जाएगा। कैबिनेट ने यह भी फैसला किया है कि असम में मुस्लिम विवाहों के पंजीकरण के लिए एक उपयुक्त कानून लाया जाए, जिस पर विधानसभा के अगले सत्र तक विचार किया जाएगा।

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ड्ग पर लिखी पोस्ट में कहा है कि- हमने बाल विवाह के अतिरिक्त सुरक्षा उपाय कर अपनी बेटियों और बहनों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सीएम ने आगे लिखा है कि कैबिनेट की बैठक में हमने माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को निरस्त करने का निर्णय लिया है।

यूपी में गोंडा हादसे के बाद फिर ट्रेन हादसा होते-होते टला, सामने अचानक आया सांड

सीतापुर । आरएनएस

गोंडा पैसेंजर ट्रेन के सामने अचानक आए सांड के कारण एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गोरखपुर से सीतापुर जा रही ट्रेन के नीचे सांड फंस गया, जिसके कारण ट्रेन को घंटों तक रुकना पड़ा। इस घटना ने यात्रियों को काफी परेशान कर दिया। यात्रियों के मुताबिक रेलवे कर्मचारियों ने सांड को निकालने के लिए ट्रेन को रोक दिया और स्थिति को संभालने की कोशिश की। सांड को निकालने के लिए उसे काटकर बाहर निकाला गया। इस अप्रत्याशित घटना के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों ने देरी के कारण अपनी यात्रा योजनाओं में बदलाव करना पड़ा। रेलवे विभाग ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए तेजी से काम किया और स्थिति को नियंत्रित किया। रेलवे अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। स्थानीय लोगों ने इस घटना को देखकर अपनी चिंता व्यक्त की और रेलवे विभाग से इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए उचित व्यवस्था करने की मांग की। इस घटना की वजह से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। क्योंकि रेलवे कर्मचारियों ने तत्परता से समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए रेलवे विभाग को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

जालंधर पुलिस का नशा तस्करों पर कड़ा प्रहार, 1.34 करोड़ की संपत्ति जब्त

जालंधर । आरएनएस

जालंधर पुलिस ने जिले में नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी 1.34 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर ली है।जालंधर पुलिस ने ड्रग माफियाओं पर बड़ा एक्शन लेते हुए शहर से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। दरअसल ड्रग के पैसों से अर्जित की गई 1.34 करोड़ रुपए की संपत्ति को जब्त किया गया है। कमिश्नरेट पुलिस ड्रग तस्करों के सप्लाई चेन को तोडऩे में लगातार सफलता हासिल कर रही है।

एसीपी दमन बीर सिंह ने बताया कि 17 आरोपियों के खिलाफ इस

साल 27 अप्रैल को थाना डिवीजन एक जालंधर में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने उनके पास से 48.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।

पुलिस ने कहा कि वाहन संपत्ति और ड्रग मनी समेत 1.34 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की जा रही है। 1.05 करोड़ रुपये की ड्रग मनी समेत वाहनों के अंदर से 28,90,000 रुपये की नकदी पकड़ी गई। इस मामले में पुलिस ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई हुई है।

एसीपी ने बताया, इस कदम का उद्देश्य ड्रग तस्करों के खिलाफ अनुकरणीय कार्रवाई सुनिश्चित करना है, ताकि यह दूसरों के लिए मिसाल बन सके। कमिश्नरेट पुलिस की ओर से नशा विरोधी अभियान शुरू किया गया है, ताकि शहर से नशे का खात्मा किया जा सके। उन्होंने कहा कि कमिश्नरेट पुलिस इस नेक काम के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी और आम लोगों को इस नेक कार्य के लिए पुलिस का समर्थन करना चाहिए।